



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 73]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 22, 1985/फाल्गुन 3, 1906

No. 73]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 22, 1985/PHALGUNA 3, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1985

सा.का.नि. 100(अ).—धान-कटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 को और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार धान-कटाई उद्योग (विनियमन) अधिनियम, 1958 (1958 का 21) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षा अनुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उम्रसे पभावित होने की सम्भावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियाँ जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, उस-को उपलब्ध कराई जाती है, पैंतालीस दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा,

ऐसे आक्षेपों या सूझावों पर, जो उक्त प्रारूप के संबंध में उपरोक्त विनिर्दिष्ट कालावधि की समाप्ति से पूर्व किसी व्यक्ति में प्राप्त होंगे। केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम धान-कटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) संशोधन नियम, 1985 है।

2. धान-कटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 की अनुसूची में, शर्त (3घ) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“(3घ) धान-कटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) संशोधन नियम, 1976 के प्रवृत्त होने से पूर्व विधिमान्य अनुज्ञापित धारण करने वाला अनुज्ञापितधारी यह सन्निश्चित करेगा कि उसमें इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट शर्तों अधिरोपित करने वाले आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के अन्दर या आपवादिक मामलों में ऐसी और कालावधि या कालावधियों के अन्दर जो कुल मिलाकर दो वर्ष से अधिक नहीं होगी, जो अनुज्ञापित अधिकारी द्वारा इस निमित्त समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए—

(क) जहाँ चावल मिल में एक से अधिक धान से भरी उदारने वाला है, वह।—

(1) वह धान से भूसी उतारने वाले का उपयोग धान से भूसी अलग करने के लिए नहीं करेगा

अपित् उसका उपयोग केवल चावल चमकाने के लिए ही करेगा, और

- (2) वह या तो धान से छिलके निकालने वाला रबड़ रोल या अपकेंद्री भूसी निकालने वाला यंत्र स्थापित करेगा, जिसमें धान क्लीनर और धान पृथक्कारित्र लगे हों,
- (ख) जहां चावल मिल धान से छिलके निकालने वाली सह-धान से भूसी उतारने वाली प्रकार की, दोनों हैं, वहां—
- (1) वह धान से भूसी उतारने वाले का उपयोग धान से भूसी अलग करने के लिए नहीं करेगा, अपित् उसका उपयोग केवल चावल चमकाने के लिए ही करेगा, और
- (2) वह धान से छिलके निकालने वाला रबड़ रोल स्थापित करेगा जिसमें धान क्लीनर और धान पृथक्कारित्र लगे हों, और
- (ग) जहां चावल मिल धान से छिलके निकालने वाली प्रकार की है, वहां वह नीचे संचालित धान से छिलके निकालने वाले के स्थान पर ऐसी मशीन लगाएगा जिसमें धान क्लीनर और धान पृथक्कारित्र के साथ रबड़ रोलर लगा हुआ हो,

परन्तु 1 मई, 1970 के पूर्व अनुज्ञप्ति किसी एकल धान से भूसी उतारने वाले प्रकार से भिन्न चावल मिल की दशा में अनुज्ञापन अधिकारी, लेखबद्ध किए जाने वाले पर्याप्त कारणों से उक्त कालावधि को अगले दस वर्ष और तीन मास तक और बढ़ा सकेगा :

परन्तु यह और कि एक मई, 1970 और 30 अप्रैल, 1975 के बीच अनुज्ञप्ति किसी एकल धान से भूसी उतारने वाले से भिन्न किसी चावल मिल की दशा में अनुज्ञापन अधिकारी लेखबद्ध किए जाने वाले पर्याप्त कारणों से उक्त कालावधि को पांच वर्ष की कालावधि की समाप्ति की तारीख से परे उतनी कालावधि तक जितनी वह न्यायोचित समझे, और बढ़ा सकेगा, किन्तु ऐसी और अवधि 31 जुलाई, 1985 से और अधिक नहीं बढ़ाई जागी ।”

[फा. सं. 15(8)/81-डी एण्ड आर]

जी. वी. विश्वनाथ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES,

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd February, 1985

G.S.R. 100(E).—The following draft of certain rules further to amend the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Rice Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public;

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period specified above will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Amendment Rules, 1985.

2. In the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, in the Schedule, for condition (3D), the following shall be substituted, namely :—

“(3D) The licensee holding a valid licence prior to the coming into force of the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Amendment Rules, 1976, shall ensure that within a period of three years from the date of Order imposing the conditions herein-after specified or in exceptional cases within such further period or periods the total of which shall not exceed two years as may be specified from time to time in this behalf by the Licensing officer :—

- (a) where the rice mill consists of more than one huller, —
 - (i) he shall not utilise the huller for dehussing paddy, but utilise it only for polishing rice, and
 - (ii) he shall instal either a rubber roll sheller or a centrifugal dehussker with paddy cleaner and paddy separator;
- (b) where the rice mill is a combined sheller-cum-huller type,—
 - (i) he shall not utilise the huller for dehussing paddy but utilise it only for polishing of rice, and
 - (ii) he shall instal a rubber roll sheller with paddy cleaner and paddy separator; and
- (c) where the rice mill is a sheller type, he shall replace the under-runner sheller by machinery consisting of rubber roller with paddy cleaner and paddy separator :

Provided that in the case of rice mill other than a single huller licensed prior to the 1st May, 1970, the Licensing Officer may, for sufficient reasons to be recorded in writing, further extend the said period by another ten years and three months :

Provided further that in the case of a rice mill other than single huller licensed between the 1st May, 1970 and the 30th April, 1975, the Licensing Officer may, for sufficient reasons to be recorded in writing, further extend the said period by such period as he may consider justified, beyond the date of expiry of the period of five years but such further extension shall not go beyond 31st July, 1985.

[F. No. 15(8)/81-D&R-I]

G. V. VISWANATH, Jt. Secy.